हमारे प्रभु यीशु मसीह का नाम धन्य हो। एक बार फिर आपका स्वागत है बाइबल अध्ययन की इस शृंखला में, जहाँ हम बाइबल की पुस्तकों का गहन अध्ययन कर रहे हैं।

अब तक हम 15 पुस्तकों को कवर कर चुके हैं। यदि आपने पहले के पाठ नहीं पढ़े हैं तो मैं आपको प्रोत्साहित करता हूँ कि पहले उन्हें देखें ताकि क्रम स्पष्ट रहे। पिछली बार हमने एज्रा की पुस्तक का अध्ययन किया था, जहाँ एज्रा को “निपुण शास्त्री” कहा गया है (एज्रा 7:6)।

एज्रा की सेवकाई इस्राएलियों के बाबुल में निर्वासित हो जाने के बाद हुई। समय-क्रम के अनुसार, यशायाह, यिर्मयाह, यहेजकेल और दानिय्येल की पुस्तकें एज्रा से पहले आनी चाहिए, क्योंकि उनकी घटनाएँ पहले घटी थीं। लेकिन बाइबल की पुस्तकों का क्रम परमेश्वर की बुद्धि से तय किया गया है, न कि केवल समय के अनुसार।

यिर्मयाह और विलापगीत की पुस्तकें

अब परमेश्वर के अनुग्रह से हम दो पुस्तकों का अध्ययन करेंगे जिन्हें एक ही नबी ने लिखा है – यिर्मयाह और विलापगीत।

बाइबल की पुस्तकें भाग 7: यिर्मयाह और विलापगीत

यिर्मयाह का बुलावा

परमेश्वर ने यिर्मयाह को बहुत छोटी उम्र में बुलाया और उसे जातियों के लिए नबी ठहराया (यिर्मयाह 1:5):

“मैं ने तुझे गर्भ में रचने से पहिले ही जान लिया, और तू उत्पन्न होने से पहिले ही मैं ने तुझे पवित्र ठहराया; मैं ने तुझे जातियों के लिये नबी ठहराया।”
(यिर्मयाह 1:5)

यद्यपि यिर्मयाह को मुख्य रूप से इस्राएल का नबी माना जाता है, उसकी सेवकाई अंतरराष्ट्रीय थी। परमेश्वर ने उसे सभी जातियों पर न्याय सुनाने के लिए नियुक्त किया।

परमेश्वर ने बाबुल साम्राज्य को अपने न्याय का डंडा बनाया। राजा नबूकदनेस्सर को परमेश्वर ने सामर्थ दी कि वह सभी देशों को वश में कर ले, यहाँ तक कि इस्राएल को भी।

“अब देखो, मैं ने ये सब देश अपने दास बाबुल के राजा
नबूकदनेस्सर के वश में कर दिए हैं…”

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

(यिर्मयाह 27:6)

बाबुल कोई पवित्र राष्ट्र नहीं था। वह केवल परमेश्वर का न्याय का साधन था। और जब उसका काम पूरा हुआ, तो स्वयं बाबुल पर भी न्याय हुआ।

यिर्मयाह की प्रचार सेवकाई और अस्वीकार

यिर्मयाह ने राष्ट्रों को परमेश्वर के न्याय की चेतावनी दी। लेकिन अधिकतर ने उसे ठुकरा दिया। किसी ने उसे झूठा नबी कहा, किसी ने बाबुल का समर्थक, और किसी ने उसे पागल समझा।

फिर भी यिर्मयाह परमेश्वर के बुलावे में दृढ़ और आज्ञाकारी रहा। उसने यहाँ तक कि मिस्र जाकर फ़िरौन और आस-पास की जातियों को चेतावनी दी (यिर्मयाह 25:15-29)।

उसने यहूदा को भी आगाह किया कि यदि वे नम्र न होंगे, तो उन्हें 70 वर्षों तक बाबुल की गुलामी करनी पड़ेगी। लेकिन उन्होंने उसकी बात नहीं मानी।

भविष्यवाणियों की पूर्ति

अंततः यिर्मयाह की बातें पूरी हुईं। बाबुल ने यहूदा पर आक्रमण किया। कई लोग मारे गए और शेष लोग बन्दी बनाकर ले जाए गए। यरूशलेम का पतन भयानक था।

यिर्मयाह ने स्वयं इस विनाश को अपनी आँखों से देखा। भूख, महामारी और तलवार ने लोगों को नष्ट कर दिया।

“तेरे लोगों में से एक तिहाई लोग तेरे बीच में महामारी से मरेंगे और अकाल से नाश होंगे; एक तिहाई तेरे चारों ओर तलवार
से गिरेंगे; और एक तिहाई को मैं सब दिशाओं में तित्तर-बित्तर
कर दूँगा।”
(यहेजकेल 5:12)

इस्राएल पर चार न्याय आए: अकाल, महामारी, तलवार, और निर्वासन।

विलापगीत की पुस्तक

यरूशलेम का विनाश देखकर यिर्मयाह ने गहरा शोक किया और विलापगीत लिखा।

“क्या ही एकाकी बैठी है वह नगरी, जो लोगों से परिपूर्ण थी! जो जातियों में बड़ी थी, वह विधवा के समान हो गई।”
(विलापगीत 1:1)

“मेरी आँखों से आँसू बहते हैं… क्योंकि मेरे बच्चे उजाड़ हो गए हैं, और शत्रु ने जय पाई है।”
(विलापगीत 1:16)

“यहोवा तो धर्मी है, क्योंकि मैं ने उसकी आज्ञा का उल्लंघन किया है।”
(विलापगीत 1:18)

फिर वह कहता है:
“यहोवा ने अपनी वेदी का तिरस्कार किया, अपने पवित्रस्थान का त्याग कर दिया… यहोवा ने सिय्योन की बेटी की प्राचीर को उजाड़ने का निश्चय किया।”
(विलापगीत 2:7-8)

दुःख के बीच आशा

फिर भी यिर्मयाह जानता था कि परमेश्वर का क्रोध सदा नहीं

रहेगा। वह दयालु और करुणामय है।

“क्योंकि प्रभु सदा तक त्यागता नहीं है; यद्यपि वह दुःख देता है, तौभी वह अपनी अति बड़ी करुणा के अनुसार दया भी करेगा।”
(विलापगीत 3:31-32)

आज के लिए शिक्षा

1. परमेश्वर की चेतावनी ठुकराना खतरनाक है
“क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है।” (रोमियों 6:23)
2. सच्चे नबी आँसुओं के साथ चेतावनी देते हैं
यिर्मयाह लोगों पर रोया, वैसे ही यीशु भी यरूशलेम पर रोया (लूका 19:41-44)।
3. परमेश्वर की दया उसके क्रोध से बड़ी है
“यहोवा दयालु और अनुग्रहकारी है, वह विलम्ब से क्रोधित होने वाला और अति करुणामय है।”
(भजन संहिता 103:8)

उद्धार का समय अभी है

यदि आपने अब तक अपने जीवन को यीशु मसीह को नहीं सौंपा है, तो देर मत कीजिए।

“देखो, अभी उद्धार का समय है; देखो, अब ही उद्धार का दिन है।” (2 कुरिन्थियों 6:2)

आइए, यिर्मयाह की चेतावनियों को गम्भीरता से लें। न्याय वास्तविक है, लेकिन यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर की दया और क्षमा सबके लिए उपलब्ध है।

आमीन।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp